Department of Hindi
West Bengal State University,
Barasat
Kolkata -700126

M.A. Hindi CBCS Syllabus

w. e. f. Academic Session 2019-20

Department of Hindi

West Bengal State University

M.A. CBCS w.e.f. Academic Session 2019–20

Semester	Course	Credit	Full Marks	Credit &Total Marks
Sem -I	HINPCOR01T Hindi Bhasha Ka Vikas	4	50	Marks : 300 Credit: 22
	HINPCOR02T Hindi Sahitya Ka Itihas(Bhaktikal tak)	4	50	
	HINPCOR03T Hindi Ka Aadikalin evam Bhaktikalin Kavya	4	50	
	HINPCOR04T Prak-Swatantratakalin Hindi Kahani	4	50	
	HINPCOR05T Prak Swantratakalin Hindi Upanyas	4	50	
	HINPAEC01M Computer Mein Hindi	2	50	
Sem -II	HINPCOR06T Bhasha Vigyan	4	50	Marks : 300 Credit: 22
	HINPCOR07T Hindi Sahitya Ka Itihas : Ritikal	4	50	
	HINPCOR08T Ritikalin Hindi Kavya	4	50	
	HINPCOR09T Swatantryottar Hindi Kahani	4	50	
	HINPCOR10T Hindi Aalochana	4	50	
	HINP SEC02M Computer Aur Hindi	2	50	

Sem-III	HINPCOR11T Hindi Sahitya Ka Itihas : Adhunikkal	4	50	Marks : 300 Credit: 24
	HINPGEC01T Hindi Kahani : Paath aur Vishleshan	4	50	
	HINPCOR12T Aadhunik Hindi Kavita	4	50	
	HINPCOR13T Swatantryottar Hindi Upanyas	4	50	
	HINPCOR14T Bharatiya Kavya Shastra	4	50	
	HINPDSE01T Vishesh Patra Premchand **OR** HINPDSE01T Vishesh Patra: Nirala	4	50	
Sem -IV	HINPCOR15T Hindi Nibandh	4	50	Marks : 300 Credit: 24
	HINPCOR16T Hindi Natak	4	50	
	HINPCOR17T Paschatya KavyaShastra	4	50	
	HINPDSE02T Hindi Ki Gadya Vidhaon Ka Vikas **OR** HINPDSE02T Hindi Ki Gadya Vidhayen : Path &Vishlesan	4	50	
	HINPCOR18M Project	8	100	

हिंदी विभाग

एम्. ए. हिंदी

अकादमिक सत्र सन 2019-20 से लागू

प्रोग्राम स्पेशिफिक आउटकम : *(Programme Specific Outcome)*

स्नातकोत्तर हिंदी के चार सत्रों के अध्ययन करने के पश्चात शिक्षार्थी को हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं और विविध परिदृश्य के बारे में स्पष्ट ज्ञान प्राप्त होगा | साहित्यिक कृतियों से गुजर कर उसकी साहित्यिक समझ विकसित होगी| साथ ही, उसे रचनाकार के समय और समाज में व्याप्त तमाम परिस्थितियों और मूलभूत प्रवृत्तियों की जानकारी होगी | मौजूदा समय में साहित्य की प्रासंगिकता को समझने में भी यह पाठ्यक्रम सहायक होगा | इस पाठ्यक्रम से साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी के कौशल संवर्धन की क्षमता का विकास होगा तथा किसी रचना के पाठ से अपने विवेक और ज्ञान का विस्तार होगा. एम्. ए. हिंदी पाठ्यक्रम के सफलतापूर्वक अध्ययन के बाद शिक्षार्थी में संवेदना का विकास होगा एवं एक बेहतर मनुष्य बनने के प्रयास को बल मिलेगा |

कोर्स आउटकम *(Course Outcome)*

HINPCOR01T- हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक विस्तार से परिचित होने के साथ साथ हिंदी की बोलियों और उसके प्रयोग क्षेत्र के सम्बन्ध सम्यक ज्ञान प्राप्त होगा. इस पत्र के माध्यम से हिंदी के विभिन्न रूपों और उसकी संवैधानिक स्थिति से भी शिक्षार्थी अवगत होंगे .

HINPCOR02T- साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा और पद्धति के बारे में एक अवधारणा का विकास होगा. हिंदी साहित्य के प्रारम्भिक काल से लेकर भक्तिकाल तक रचे गए साहित्य के इतिहास के सम्बन्ध में जान सकेंगे. भक्ति आन्दोलन के अखिल भारतीय स्वरुप से उनकी दृष्टि का विकास होगा .

HINPCOR03T- आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य के अध्ययन से विद्यार्थियों की प्राचीन साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न होगी. मध्यकालीन कविता के बहाने तत्कालीन समाज,काल और संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिलेगा . उनकी काव्य संवेदना विकसित होगी .

HINPCOR04T- इस कोर्स के अध्ययन से शिक्षार्थी को प्राक-स्वातन्त्र्य कालीन हिंदी कहानी का स्वाद मिलेगा . इस दौर की कहानियों के स्वरुप से परिचित होने के साथ-साथ कहानी के विश्लेषण में दक्षता अर्जन होगी .

HINPCOR05T- यह पत्र भारतीय स्वतंत्रता के पूर्व लिखे गए हिंदी उपन्यासों से सम्बंधित है . इन उपन्यासों के पाठ, विवेचन और विश्लेषण के माध्यम से शिक्षार्थी को प्राक-स्वातंत्र्य कालीन समाज, राजनीति, संस्कृति और आर्थिक परिदृश्य को जानने और समझने का अवसर मिलेगा .

HINPAEC01M - कंप्यूटर में हिंदी के प्रयोग से सम्बंधित इस पत्र के माध्यम से शिक्षार्थी को प्रयोगात्मक शिक्षा प्राप्त होगी . दैनंदिन जीवन में कंप्यूटर में हिंदी के प्रयोग के सम्बन्ध में शिक्षार्थी को प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त होगा जो उनके भविष्य में बहुत सहायक होगा .

HINPCOR06T- भाषा विज्ञान के माध्यम से भाषा अध्ययन की वैज्ञानिक दृष्टि का विकास होगा . भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के साथ परिचित होने के अलावा हिंदी की रूप रचना और शब्द रचना के मूलभूत तत्वों का ज्ञान प्राप्त होगा .

HINPCOR07T- सन ई. 1650 से 1850 के दौर में रचे गए हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि के बारे में एक स्पष्ट अवधारणा विकसित होगी . इस कालखंड में रचित साहित्य के इतिहास की समझ भी वृद्धि होगी .

HINPCOR08T- सन ई. 1650से 1850 के दौर में रचे गए हिंदी काव्य की प्रमुख संवेदनाओं से गुजरने का अवसर मिलेगा. कतिपय प्रमुख रीतिकालीन कवियों के काव्य-संसार में निहित वैविध्य और उन कवियों के सरोकार, काव्य उत्कर्ष आदि को समझने में इस पत्र की भूमिका रहेगी .

HINPCOR09T- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी की व्याप्ति और सांद्रता, मुख्य संवेदना, रचनाकारों की चिंता और चेतना, कथा लेखन के सन्दर्भ और परिप्रेक्ष्य आदि का उदघाटन स्वतन्त्रता के पश्चात लिखी गई प्रमुख हिंदी कहानियों के माध्यम से किया जाएगा .

HINPCOR10T- हिंदी आलोचना और स्वरुप का स्पष्ट ज्ञान प्राप्त करने के बाद हिंदी की विविध आलोचना पद्धतियों और प्रमुख हिंदी आलोचकों के आलोचना कर्म तथा आलोचना पद्धति से अवगत हो सकेंगे.

HINPSEC02M- कंप्यूटर में हिंदी के प्रयोग से सम्बंधित इस पत्र के माध्यम से शिक्षार्थी को प्रयोगात्मक शिक्षा प्राप्त होगी . दैनंदिन जीवन में कंप्यूटर में हिंदी के प्रयोग के सम्बन्ध में शिक्षार्थी को प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त होगा जो उनके भविष्य में बहुत सहायक होगा .

HINPCOR11T- हिंदी साहित्य के आधुनिक काल की पृष्ठभूमि, विभिन्न परिस्थितियों और सन्दर्भों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के पश्चात आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य की विविध विधाओं के विकास के बारे में भी स्पष्ट अवधारणा विकसित होगी.

HINPGEC01T- यह कोर्स अंतरानुशासनीय है . इस पत्र के पठन से अन्य विषय के विद्यार्थियों को हिंदी कहानी के विकास और उसके स्वरूप के बारे में परिचय प्राप्त होगा . साथ ही, कहानी के विश्लेषण की कला भी वे सीखेंगे.

HINPCOR12T- आधुनिक कविता की सामाजिक, राजनितिक, सांस्कृतिक परिस्थितियों से अवगत कराने के बाद हिंदी के प्रमुख आधुनिक कवियों के रचना जगत की व्याप्ति और सांद्रता, मुख्य संवेदना, रचनाकारों की चिंता और चेतना, कविता लेखन के सन्दर्भ और परिप्रेक्ष्य आदि का उदघाटन किया जाएगा .

HINPCOR13T- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास की मुख्य संवेदना, रचनाकारों की चिंता और चेतना, कथा लेखन के सन्दर्भ और परिप्रेक्ष्य आदि का उदघाटन अध्येतव्य उपन्यास साहित्य के माध्यम से किया जाएगा . उपन्यासों के बहाने तत्कालीन समय और समाज के चित्रों से भी परिचित हो सकेंगे .

HINPCOR14T- काव्य अथवा साहित्य की परख हेतु प्रतिमान का विशेष महत्त्व है . भारतीय काव्यशास्त्र अत्यंत प्राचीन है | भरत के नाट्यशास्त्र से लेकर अठारहवीं सदी तक की काव्यशास्त्रीय परम्परा, विकास के चरण, महत्वपूर्ण स्थापनाएं, दर्शन आदि के साथ साथ काव्य के प्रतिमानों को समझने में यह पत्र सहायक होगा .

HINPDSE01T- यह डी एस ई का पत्र है, वैकल्पिक है . इस पत्र के अंतर्गत प्रस्तावित विषय का गहन अध्ययन किया जाएगा . विषय के सभी क्षेत्रों से जुड़े सन्दर्भों और रचनाओं के विशेष अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा . शोधार्थियों के विचार और विवेचन की क्षमता को विकसित करने का लक्ष्य है.

अथवा

HINPDSE01T – यह डी एस ई का पत्र है, वैकल्पिक है . इस पत्र के अंतर्गत प्रस्तावित विषय का गहन अध्ययन किया जाएगा . विषय के सभी क्षेत्रों से जुड़े सन्दर्भों और रचनाओं के विशेष अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा . शोधार्थियों के विचार और विवेचन की क्षमता को विकसित करने का लक्ष्य है.

HINPCOR15T- हिंदी निबंधों के बहाने रचनाकारों के विचार और उनकी दृष्टि के वितान का उदघाटन इस पत्र का अभिप्राय है . हिंदी निबंधों के क्रमिक विकास से रू-ब-रू होने के साथ-साथ पाठ और विश्लेषण क्षमता की वृद्धि होगी|

HINPCOR16T- विभिन्न कालखंडों में रचित प्रमुख हिंदी नाटकों के माध्यम से नाट्य साहित्य के विकास और उसकी उपलब्धियों से शिक्षार्थी परिचित हो सकेंगे . अभिनेयता और रंगमंच की दृष्टि से नाटकों का मूल्यांकन करने में यह पत्र सहायक होगा .

HINPCOR17T- यूनानी काव्यशास्त्र से लेकर अद्यतन पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों की काव्य और साहित्य सम्बन्धी अवधारणाओं, व्याख्याओं, स्थापनाओं और विचारधाराओं के क्रमिक विकास का ज्ञान प्राप्त होगा | समकालीन विमर्शों के बारे में स्पष्ट अवधारणा प्राप्त करने में यह पत्र सहायक होगा |

HINPDSE02T-हिंदी निबंध के अतिरिक्त अन्य गद्य विधाओं के उद्भव और विकास को भली-भाँति जानने और समझने में यह पत्र सहायक होगा . निबंधों के माध्यम से निबंधकार के विचार और विचारधारा के बारे में शिक्षार्थी को जानने का अवसर प्राप्त होगा.

HINPDSE02T-हिंदी की विविध गद्य विधाओं से चयनित कुछ पाठों का अध्ययन, विवेचन और विश्लेषण करना इस कोर्स का मूल उद्देश्य है . इस कोर्स के माध्यम से विद्यार्थी की समझ, बोध शक्ति और विश्लेषण क्षमता का विकास होगा .

HINPCOR18M– – विभाग द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी को अलग-अलग विषय प्रदान किया जाएगा जिस पर उसे परियोजना कार्य संपन्न करना होगा . परियोजना कार्य निश्चित समय में लगभग 4000 शब्दों में लिख कर प्रस्तुत करना होगा . इस कार्य से शिक्षार्थी के आत्म संकल्प का विकास होगा .

– इसके अंतर्गत परियोजना कार्य की मौखिक प्रस्तुति बाह्य परीक्षक, विभागीय शिक्षकों , शोधछात्रों , और छात्रों के समक्ष करनी होगी . इसके द्वारा शिक्षार्थी को मंच से पत्र प्रस्तुत करने की कला का ज्ञान प्राप्त होगा . फलस्वरूप इस क्षेत्र में उसके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी .

M.A. (HINDI)

CORE COURSE (CC)

HINPCOR01T- **हिंदी भाषा का विकास** (04 **क्रेडिट, अंक** - 50, 60 **क्लास**)

इकाई-1 : हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और भौगोलिक विस्तार

- प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं
- मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं
- आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएं

इकाई-2 : हिंदी की उपभाषाएँ और हिंदी भाषा के रूप

- हिंदी की उपभाषाएं (पश्चिमी, पूर्वी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी)
- हिंदी के विविध रूप (हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिंदुस्तानी)

इकाई-3 : भाषा प्रयोग और उसके विविध रूप

- बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा
- संचार माध्यम और हिंदी

इकाई-4 हिंदी की संवैधानिक स्थिति और देवनागरी लिपि

संविधान में हिंदी की स्थिति

देवनागरी लिपि : विशेषताएं और मानकीकरण

सहायक ग्रंथ

1. हिंदी भाषा : स्वरुप और विकास -- कैलाशचंद्र भाटिया
2. हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - डॉ. हरदेव बाहरी
3. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी
4. हिंदी भाषा - भोलानाथ तिवारी
5. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदयनारायण तिवारी
6. हिंदी भाषा विकास और स्वरुप - कैलाशचंद्र भाटिया , मोतीलाल चतुर्वेदी
7. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा
8. भारत की भाषाएँ और भाषिक एकता - महावीर सरन जैन
9. हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम - रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
10. भाषा : संवेदना और सर्जन - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

HINPCOR02T- **हिंदी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल तक)** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1-**साहित्येतिहास दर्शन**

- हिंदी साहित्येतिहास दर्शन
- हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियां

इकाई 2– हिंदी साहित्य का आदिकाल

- हिंदी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण
- आदिकाल की परिस्थितियां और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

इकाई 3– भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि

- भक्ति-आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण, भक्ति-आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अंतःप्रादेशिक वैशिष्ट्य
- भक्ति काव्य की सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार संत

इकाई 4– भक्ति काल के विभिन्न संप्रदाय और दर्शन

- भक्ति काव्य के प्रमुख संप्रदाय और उनका दार्शनिक आधार
- निर्गुण– सगुण कवि और उनका काव्य

सहायक ग्रंथ

(1) साहित्येतिहास दर्शन - नलिन विलोचन शर्मा

(2) हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल

(3) हिन्दी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी

(4) हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारीप्रसाद द्विवेदी

(5) नाथ सम्प्रदाय - हजारीप्रसाद द्विवेदी

(6) हिन्दी साहित्य: उन्द्भव व विकास - हजारीप्रसाद द्विवेदी

(7) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा

(8) उत्तरी भारत की संत परंपरा **–** पर्शुराम चतुर्वेदी

(09) इतिहास और आलोचना - मैनेजर पाण्डेय

(10) हिन्दी साहित्य का इतिहास - (सं.) नगेन्द्र

HINPCORCOR03T- **हिंदी का आदिकालीन और भक्तिकालीन काव्य** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1- **आदिकालीन काव्य**

- पृथ्वीराज रासो – रेवा तट
- अमीर खुसरो – खुसरो की पहेलियाँ और मुकरियाँ (किन्हीं दस)

इकाई 2 – **भक्तिकालीन काव्य**

- कबीर – (सं.- हजारी प्रसाद द्विवेदी) – पद संख्या 1–25
- जायसी ग्रंथावली – (सं.- रामचंद्र शुक्ल) - नागमती वियोग खंड

इकाई 3–

- सूरदास – भ्रमरगीत सार – (सं. रामचंद्र शुक्ल) – पद संख्या 21-40
- तुलसीदास – रामचरितमानस – उत्तरकांड

इकाई 4–

- मीरा – (सं.- विश्वनाथ त्रिपाठी) – प्रारंभ से 20 पद

सहायक ग्रंथ

1. पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य -डॉ.नामवर सिंह
2. कबीर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. जायसी ग्रंथावली - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. भ्रमर गीत सार - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. त्रिवेणी - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
6. जायसी - विजयदेव नारायण साही
7. तुलसीदास - माताप्रसाद गुप्त
8. कबीर मीमांसा - रामचंद्र तिवारी
9. भक्तिआन्दोलन और सूरदास का काव्य - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
10. भक्ति काव्य का समाजशास्त्र - प्रेमशंकर
11. भक्तिकाव्य और लोकजीवन - शिवकुमार मिश्र
12. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास - रामविलास शर्मा
13. अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय - पुरुषोत्तम अग्रवाल
14. लोकवादी तुलसीदास - विश्वनाथ त्रिपाठी
15. भक्तिकाव्य यात्रा - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

HINPCOR04T- **प्राक स्वतंत्रताकालीन हिंदी कहानी** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –**हिंदी कहानी का आरंभ (प्रेमचंद पूर्व युग**)

- राजेंद्र बाला घोष (बंग महिला) – दुलाईवाली
- माधवराव सप्रे – एक टोकरी भर मिट्टी
- सुभद्रा कुमारी चौहान – राही

इकाई 2 – **हिंदी कहानी का उत्थान** (**प्रेमचंद युग**)

- प्रेमचंद – ईदगाह
- राजा राधिकारमण प्रसाद सिंह – कानों में कंगना
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
- जयशंकर प्रसाद – आकाशदीप

इकाई 3 -प्रेमचंदोत्तर युग

- जैनेन्द्र – अपना-अपना भाग्य
- फनीश्वरनाथश्वरनाथ रेणु – तीसरी कसम
- अज्ञेय - गैंग्रीन

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय
2. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
3. हिंदी कहानी : यथार्थवादी नजरिया - मार्कंडेय
4. कहानी की बात - मार्कंडेय
5. कहानी : शिल्प और संवेदना - राजेंद्र यादव
6. एक दुनिया समानान्तर - राजेंद्र यादव
7. कहानी की रचना प्रक्रिया - परमानन्द श्रीवास्तव
8. कुछ कहानियां : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी
9. हिंदी कहानी : पहचान और परख - सं. इन्द्रनाथ मदान
10. हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान - रामदरश मिश्र

HINPCOR05T- **प्राक स्वतंत्रताकालीन हिंदी उपन्यास** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 – लाला श्रीनिवास दास – परीक्षा गुरू

इकाई 2 - प्रेमचंद – गोदान
इकाई 3 – अज्ञेय – शेखर एक जीवनी (भाग-1)

इकाई 4 - हजारी प्रसाद द्विवेदी – बाणभट्ट की आत्मकथा

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
3. उपन्यास की संरचना - गोपाल राय
4. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - इन्द्रनाथ मदान
5. उपन्यास का काव्यशास्त्र - बच्चन सिंह
6. उपन्यास की रचना प्रक्रिया - परमानन्द श्रीवास्तव
7. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र
8. उपन्यास और लोकतंत्र - डॉ. मैनेजर पाण्डेय
9. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा - परमानन्द श्रीवास्तव
10. हिंदी उपन्यास का पुरावतरण - धनंजय वर्मा
11. प्रेमचंद और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा
12. उपन्यास और लोकजीवन - राल्फ फॉक्स
13. उपन्यास का शिल्प - त्रिभुवन सिंह
14. गद्य साहित्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र तिवारी
15. उपन्यास की परिधि - जितेन्द्र श्रीवास्तव

HINPSEC 02M - **कंप्यूटर में हिंदी** (02 **क्रेडिट, अंक** – 50, 30 **क्लास**)

इकाई 1 - देवनागरी वर्णों का कूटन (कोडिंग)
इकाई 2 - कंप्यूटर पर देवनागरी लेखन (यूनिकोड, फोनेटिक, रेमिंगटन टाइपराइटर लेआउट एवं अन्य इनपुट टूल्स)
इकाई 3 - ऑपरेटिंग सिस्टम के स्तर पर बहुभाषी उपयोगकर्ता इंटरफेस (MUI)
इकाई 4 - हिंदी (देवनागरी) ऑप्टिकल कैरेक्टर रीकॉग्नीशन (OCR)

सहायक ग्रन्थ

1. आओ कम्प्यूटर सीखें - रीमा तिवारी
2. सूचना संचार - डॉ. प्रज्ञा श्रीवास्तव
3. इलेक्ट्रोनिक मीडिया का स्वरुप - विकास - डॉ. सीमा बिनोद भूतड़ा
4. कम्प्यूटर प्रश्नोत्तरी - जूही अग्रवाल

HINCCOR06T- **भाषा विज्ञान** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

- भाषा विज्ञान : अर्थ एव अध्ययन क्षेत्र
- भाषा विज्ञान की विविध शाखाएँ

इकाई 2 –

ध्वनि विज्ञान की विविध शाखाएँ: हिंदी का भाषिक स्वरूप

- हिंदी की स्वनिम व्यवस्था (खंड्य और खंड्येतर)
- हिंदी ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार

इकाई 3–

- हिंदी की शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय, समास,
- हिंदी की रूप रचना– लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के सन्दर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप

इकाई 4 –

- हिंदी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी की भाषिक विशेषताएं

सहायक ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान - डॉ. भोला नाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान - राजमल बोरा
5. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
6. आधुनिक भाषा विज्ञान की भूमिका - मोतीलाल गुप्त
7. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी
8. भाषा और समाज - डॉ. रामविलास शर्मा
9. भाषा विज्ञान का रसायन - कैलाशनाथ पाण्डेय
10. भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और लिपि - रामकिशोर शर्मा

HINPCOR07T- **हिंदी साहित्य का इतिहास** : **रीतिकाल** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 – **रीतिकाल की पृष्ठभूमि**

- सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
- रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त)

इकाई 2 – **रीतिकालीन काव्य**

- रीतिकवियों का आचार्यत्व
- रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनके काव्य

इकाई 3–- रीति-इतर साहित्य

- : रीतिकालीन वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य,

इकाई 4–

- संस्कृत काव्यशास्त्र और रीतिकालीन कवि

सहायक ग्रन्थ

1. रीतिकालीन साहित्य कोश - डॉ. विजयपाल सिंह
2. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
3. रीतिकाल की इतिहास दृष्टि - डॉ . सुधीन्द्र कुमार
4. हिंदी साहित्यं का उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल - डॉ. महेंद्रकुमार
5. हिंदी साहित्य का उत्तरवर्ती काल - सत्यदेव मिश्र
6. रीतिकालीन भारतीय समाज - शशिप्रभा प्रसाद
7. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - बच्चन सिंह
8. रस विमर्श - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
9. रस मीमांसा - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
10. रीतिकाव्य - जगदीश गुप्त

HINPCOR08T- **रीतिकालीन हिंदी काव्य** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 – रीतिबद्ध काव्य

केशवदास

इकाई 3 – रीतिबद्ध काव्य

देव

इकाई 3 – रीतिसिद्ध काव्य

- बिहारी सतसई (सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर) – दोहा संख्या 1-50

इकाई 4 – रीतिमुक्त काव्य

- घनानंद कवित्त (सं.- विश्वनाथ मिश्र) – कवित्त संख्या 1-30

सहायक ग्रंथ

1. रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना - डॉ . बच्चन सिंह
2. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. स्वछंद काव्यधारा और घनानंद - मनोहर लाल गौड़
5. घनानंद का श्रृंगार काव्य - रामदेव शुक्ल
6. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र
7. बिहारी सतसई : सांस्कृतिक सामाजिक सन्दर्भ - रवीन्द्रकुमार सिंह
8. घनानंद ग्रंथावली - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. रीतिकाव्य - नंदकिशोर नवल
10. रीतिकाव्य -- जगदीश गुप्त

HINPCOR09T- **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

- शेखर जोशी – कोशी का घटवार
- भीष्म साहनी – अमृतसर आ गया है

इकाई 2 –

- कृष्णा सोबती – सिक्का बदल गया
- हरिशंकर परसाई – इंस्पेक्टर मातादीन चांद पर

इकाई 3 –

- ज्ञानरंजन – पिता
- कमलेश्वर – राजा निरबंसिया

इकाई 4 –

- निर्मल वर्मा - परिंदे

- अखिलेश - जलडमरूमध्य

सहायक ग्रंथ

1. कहानी : नयी कहानी - डॉ. नामवर सिंह
2. कहानी : शिल्प और संवेदना - राजेन्द्र यादव
3. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
4. हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय
5. एक दुनिया समानांतर -- राजेन्द्र यादव
6. नयी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति - देवी शंकर अवस्थी
7. नयी कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
8. नयी एवं साठोत्तरी हिंदी कहानियों में लोकतत्व - डॉ. शम्भू शरण सिंह
9. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी
10. स्वातंत्र्योत्तर कहानी की उपस्थिति - जयप्रकाश
11. कहानी का लोकतंत्र - सं. पल्लव
12. कहानी की रचना प्रक्रिया - परमानन्द श्रीवास्तव
13. हिंदी कहानी का सफरनामा - धनंजय
14. हिंदी कहानी आदि से आज तक - डॉ. सुकुमार भंडारे
15. कहानी का उत्तर समय : सृजन संदर्भ - डॉ. पुष्पपाल सिंह

HINPCOR10T **हिंदी आलोचना** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई –1 हिंदी आलोचना और उसकी अवधारणा : भारतेंदु युगीन हिंदी आलोचना

इकाई–2 द्विवेदी युगीन हिंदी आलोचना

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का आलोचना कर्म

इकाई –3 आचार्य नंददुलारे वाजपेयी और डॉ नगेंद्र की आलोचना पद्धति

इकाई –4 डॉ रामविलास शर्मा और डॉ नामवर सिंह का आलोचना कर्म

सहायक पुस्तकें

1. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
2. समालोचक समुच्चय : महावीर प्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे वाजपेयी
4. हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल
6. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार : रामचंद्र तिवारी
7. हिंदी आलोचना की परम्परा और रामचंद्र शुक्ल : नंदकिशोर नवल
8. हिंदी आलोचना का विकास: मधुरेश
9. हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
10. हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली ; डॉ अमरनाथ

HINPSEC02M- **कंप्यूटर और हिंदी** (02 **क्रेडिट, अंक** – 50, 30 **क्लास**)

इकाई 1--वर्ड, एक्सेल और
इकाई 2– पीपीटी में हिंदी अनुप्रयोग

इकाई 3 –ईपीजी पाठशाला

इकाई 4 –मुक्तस्रोत और ज्ञानकोश : प्रयोग और प्रसार

सहायक ग्रंथ

1. आओ कम्प्यूटर सीखें - रीमा तिवारी
2. सूचना संचार - डॉ. प्रज्ञा श्रीवास्तव
3. इलेक्ट्रोनिक मीडिया का स्वरुप - विकास - डॉ. सीमा बिनोद भूतड़ा
4. कम्प्यूटर प्रश्नोत्तरी - जूही अग्रवाल

MACOR11T- **हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 – हिंदी गद्य का उद्भव और विकास

भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य
1857 की राज्यक्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण
भारतेंदु और उनका युग

इकाई 2 हिंदी पत्रकारिता

पत्रकारिता का आरंभ और 19वीं सदी की हिंदी पत्रकारिता
समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता
आधुनिकता की अवधारणा

इकाई 3 –हिंदी काव्य का विकास (प्रथमार्ध)

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग
हिंदी नवजागरण और सरस्वती
राष्ट्रीय काव्य धारा के प्रमुख कवि
स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि

इकाई 4 –हिंदी काव्य का विकास (उत्तरार्ध)

छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ एवं उसके कवि
प्रगतिवादी काव्य और उसके प्रमुख कवि
प्रयोगवाद, नई कविता और उनके प्रमुख कवि
समकालीन कविता और उसके प्रमुख कवि

सहायक ग्रंथ

1. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - बच्चन सिंह
2. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी - नंददुलारे वाजपेयी
3. भारतेंदुयुग और हिंदी भाषा की विकास परम्परा - रामविलास शर्मा
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलास शर्मा
5. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ - नामवर सिंह
6. छायावाद - नामवर सिंह
7. छायावाद का पतन - देवराज
8. छायावाद और प्रगतिवाद -- नलिनविलोचन शर्मा
9. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचन्द्र गुप्त
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह

HINPGEC01T- **हिंदी कहानी : पाठ और विश्लेषण (04 क्रेडिट, अंक-50, 60 क्लास)**

इकाई 1 : हिंदी कहानी का उद्भव और विकास : एक सामान्य परिचय
इकाई 2 उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
ईदगाह - मुंशी प्रेमचंद
इकाई 3 करवा का व्रत- यशपाल
शरणदाता- अज्ञेय
इकाई 4 आर्द्रा- मोहन राकेश
चिट्ठी - अखिलेश
सहायक ग्रन्थ

1. कहानी : नयी कहानी - डॉ. नामवर सिंह
2. कहानी : शिल्प और संवेदना - राजेन्द्र यादव
3. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
4. हिंदी कहानी का इतिहास - गोपाल राय
5. एक दुनिया समानांतर -- राजेन्द्र यादव
6. नयी कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति - देवी शंकर अवस्थी
7. नयी कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
8. नयी एवं साठोत्तरी हिंदी कहानियों में लोकतत्व - डॉ. शम्भू शरण सिंह
9. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार - विश्वनाथ त्रिपाठी
10. स्वातंत्र्योत्तर कहानी की उपस्थिति - जयप्रकाश

HINPCOR12T- **आधुनिक हिंदी कविता** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रिय प्रवास
मैथिलीशरण गुप्त – साकेत (नवम सर्ग)

इकाई 2 –

जयशंकर प्रसाद – आंसू, कामायनी (श्रद्धा सर्ग का विशेष पाठ, लज्जा व इड़ा सर्गों का सामान्य पाठ),
निराला –राम की शक्तिपूजा का विशेष अध्ययन , , बाँधो न नाव इस ठाँव बंधु का सामान्य परिचय
सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, प्रथम रश्मि
महादेवी वर्मा – बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दुःख की बदली, फिर विकल है प्राण मेरे, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो, द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र

इकाई 3 –

रामधारी सिंह दिनकर – उर्वशी (तृतीय अंक), रश्मिरथी का सामान्य परिचय
अज्ञेय – कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला, हरी घास पर क्षण भर, , कितनी नावों में कितनी बार सामान्य अध्ययन और असाध्य वीणा का विशेष अध्ययन
भवानीप्रसाद मिश्र – गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल

इकाई 4 –

मुक्तिबोध –, अंधेरे में (विशेष अध्ययन), भूल गलती, ब्रह्मराक्षस का सामान्य अध्ययन
धूमिल – नक्सलबाड़ी, मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद
नागार्जुन – कालिदास, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, खुरदरे पैर, शासन की बंदूक, मनुष्य हूँ

सहायक ग्रन्थ

1. आधुनिक कवि - विश्वमभर 'मानव'
2. आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
3. आधुनिक कविता यात्रा - रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. नयी कविता : स्वरुप और समस्या - डॉ. जगदीश गुप्त
5. आधुनिक कविता में काव्य - चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
6. हिंदी काव्य संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह
8. नयी कविता का आत्मसंघर्ष - मुक्तिबोध
9. आधुनिक हिंदी काव्य : रूप और संरचना - निर्मला जैन
10. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास - नंदकिशोर नवल
11. कविता से साक्षात्कार - मलयज
12. नयी कविता : सीमाएं और संभावनाएं - गिरिजाकुमार माथुर
13. आधुनिक हिंदी कविता में परंपरा और प्रयोग - डॉ. गोपालदत्त सारस्वत
14. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान - केदारनाथ सिंह
15. आधुनिक हिंदी कविता का अभिव्यंजना शिल्प - डॉ. हरदयाल

HINPCOR13T- **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

फणीश्वरनाथ रेणु – मैला आँचल
यशपाल – झूठा सच

इकाई 2–

अमृत लाल नागर – मानस का हंस
भीष्म साहनी – तमस

इकाई 3 –

श्रीलाल शुक्ल – राग दरबारी
कृष्णा सोबती – जिंदगीनामा

इकाई 4 –

मन्नू भंडारी – आपका बंटी
जगदीश चंद्र – धरती धन न अपना

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा -रामदरश मिश्र

2. हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश
3. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख - सं. इन्द्रनाथ मदान
4. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
5. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा - परमानंद श्रीवास्तव
6. हिंदी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव - भारतभूषण अग्रवाल
7. उपन्यास और लोकतंत्र - मैनेजर पाण्डेय
8. हिंदी उपन्यास का स्त्री पाठ - रोहिणी अग्रवाल
9. उपन्यास और लोक जीवन - राल्फ फॉक्स
10. हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद - त्रिभुवन सिंह
11. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - इन्द्रनाथ मदान
12. उपन्यास : स्थिति और गति - चंद्रकांत बांदिवडेकर

HINPCOR14T- **भारतीय काव्यशास्त्र** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

काव्य की लक्षण, काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन

इकाई 2 –

शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य दोष

इकाई 3 –

प्रमुख संप्रदाय और सिद्धांत – रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य

इकाई 4 – रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

सहायक ग्रन्थ

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र की रूपरेखा - रामचंद्र तिवारी
2. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका - योगेन्द्र प्रताप सिंह
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - गणपतिचन्द्र गुप्त
4. भारतीय काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
5. भारतीय काव्यशास्त्र - योगेन्द्र प्रताप सिंह
6. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी
7. रस मीमांसा - रामचंद्र शुक्ल
8. रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र
9. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ . नगेन्द्र
10. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक - हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. भारतीय काव्यशास्त्र : नई व्याख्या - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
12. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - सं. डॉ. नगेन्द्र
13. भारतीय काव्यशास्त्र में रस सिद्धांत - डॉ. सच्चिदानंद चौधरी
14. भारतीय काव्यशास्त्र सुबोध विवेचन - डॉ. सत्यदेव चौधरी
15. भारतीय काव्यशास्त्र की नयी व्याख्या - राममूर्ति त्रिपाठी

HINPDSE01T – **विशेष पत्र प्रेमचंद** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई –1 प्रेमचंद : जीवन और सृजनकर्म

इकाई –2 प्रेमचंद की कहानियां: मुक्तिमार्ग, ठाकुर का कुआं, दो बैलों की कथा,कफन

इकाई –3 उपन्यास : कर्मभूमि

इकाई –4 निबंध : साहित्य का उद्देश्य, नाटक: कर्बला

सहायक ग्रन्थ:

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
2. प्रेमचंद के आयाम : ए. अरबिन्दाक्षण
3. प्रेमचंद विरासत का सवाल: शिव कुमार मिश्र
4. किसान, राष्ट्रीय आन्दोलन और प्रेमचंद: वीरभारत तलवार
5. प्रेमचंद: घर में : शिवरानी देवी
6. कहानीकार प्रेमचंद: रचना दृष्टि और रचना : शिव कुमार मिश्र
7. प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी
8. प्रेमचंद की उपन्यास कला : जनार्दन प्रसाद झा 'द्विज'
9. कलम का सिपाही : अमृत राय
10. प्रेमचंद एक कृति व्यक्तित्व : जैनेन्द्र

OR

HINP DSE01T – **विशेष पत्र निराला** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई– 1 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': जीवन और सृजनकर्म

इकाई –2 जूही की कलि, जागो फिर एक बार1–. सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता,

इकाई - 3 बिल्लेसुर बकरिहा

इकाई –4 पल्लव की भूमिका

सहायक ग्रन्थ:

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. निराला: कवि–छवि: नंदकिशोर नवल
3. निराला की साहित्य साधना– भाग1–3, : रामविलास शर्मा
4. निराला आत्महंता आस्था: दूधनाथ सिंह
5. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : रामस्वरूप चतुर्वेदी

6. चार लम्बी कवितायेँ : नंदकिशोर नवल
7. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
8. छायावाद का पतन - देवराज
9. छायावाद और प्रगतिवाद -- नलिनविलोचन शर्मा
10. राग-विराग : रामविलास शर्मा

HINPCOR15T– **हिंदी निबंध** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

भारतेंदु – भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
बालकृष्ण भट्ट – शिवशंभु के चिट्ठे

इकाई 2 –

रामचंद्र शुक्ल – कविता क्या है
हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढ़ते हैं

इकाई 3 –

अध्यापक पूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम
विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

इकाई 4 –

कुबेरनाथ राय – उत्तरफाल्गुनी के आसपास
नामवर सिंह – संस्कृति और सौंदर्य

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी निबंध - विजयशंकर मल्ल
2. हिंदी निबंध - प्रभाकर माचवे
3. हिंदी निबंध का विकास - ओमकारनाथ शर्मा
4. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - डॉ. हरिमोहन
5. साहित्यिक निबंध - गणपतिचन्द्र गुप्त
6. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक निबंध - कैलाश नाथ द्विवेदी
7. हिंदी निबंध का इतिहास - मृत्युंजय उपाध्याय
8. हिंदी निबंध और निबंधकार - डॉ. रामचंद्र तिवारी
9. हिंदी के ललित निबंध - डॉ. सुमिता लोहिया
10. हिंदी ललित निबंध : स्वरुप विवेचन - वेदवती राठी

HINPCOR16T– **हिंदी नाटक** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

भारतेंदु – अंधेर नगरी, भारत दुर्दशा
जयशंकर प्रसाद – चंद्रगुप्त का विशेष पाठ एवं स्कंदगुप्त तथा ध्रुवस्वामिनी का सामान्य पाठ

इकाई 2 –

लक्ष्मीनारायण लाल – सिंदूर की होली
धर्मवीर भारती – अंधायुग
मोहन राकेश – आधे-अधूरे का विशेष अध्ययन एवं आषाढ़ का एक दिन का सामान्य पाठ

इकाई 3 –

हबीब तनवीर – आगरा बाजार
उपेन्द्रनाथ अश्क – अंजो दीदी

इकाई 4 –

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना – बकरी
शंकरशेष – एक और द्रोणाचार्य

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
2. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह
3. हिंदी नाटक : उद्भव एवं विकास - दशरथ ओझा
4. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच - नेमिचंद्र जैन
5. भारतीय नाट्य परंपरा - नेमिचंद्र जैन
6. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच - जयदेव तनेजा
7. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव - दशरथ ओझा
8. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष योजना - गिरीश रस्तोगी
9. समकालीन हिंदी नाटककार - गिरीश रस्तोगी
10. भारतीय नाट्य साहित्य - डॉ. नगेन्द्र

HINPCOR17T– **पाश्चात्य काव्यशास्त्र** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

प्लेटो के काव्य सिद्धांत
अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत,
त्रासदी विवेचन,
विरेचन सिद्धांत

इकाई 2 –

वड्र्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत
कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी

इकाई 3 –

टी॰ एस॰ इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की अवधारणा
आई॰ ए॰ रिचड्र्स : मूल्य सिद्धांत, संप्रेषण का सिद्धांत तथा काव्य-भाषा का सिद्धांत

इकाई 4 –

रूसी रूपवाद
नयी समीक्षा
मिथक, फंतासी, कल्पना, प्रतीक, बिंब

सहायक ग्रंथ

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - तारकनाथ बाली
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा - सं. सावित्री सिन्हा
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचंद्र तिवारी
6. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास - डॉ. तारकनाथ बाली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : नयी प्रवृतियां - राजनाथ
8. पाश्चात्य साहित्य - चिंतन - निर्मला जैन , कुसुम बाँठिया
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन सन्दर्भ - सत्यदेव मिश्र
10. पाश्चात्य काव्य - चिंतन - डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

HINPDSE02T– **हिंदी की गद्य विधाओं का विकास** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 **–**

आत्मकथा का उद्भव और विकास

इकाई 2 –

जीवनी का उद्भव और विकास

इकाई 3 –

संस्मरण एवं रेखाचित्र का उद्भव और विकास

इकाई 4 –

यात्रा-वृत्तांत, डायरी, व्यंग्य का उद्भव और विकास

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी गद्य साहित्य का उद्भव और विकास - सं. डॉ. शम्भुनाथ पाण्डेय
3. हिंदी गद्य साहित्य - शिवदान सिंह चौहान
4. हिंदी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय
5. हिंदी उपन्यास का विकास - मधुरेश
6. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
7. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा

8. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह
9. हिंदी आत्मकथा : स्वरुप एवं साहित्य - डॉ. कमलेश सिंह
10. हिंदी रेखाचित्र : उद्भव और विकास - कृपाशंकर सिंह
11. यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास - डॉ. सुरेन्द्र माथुर
12. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

OR

HINPDSE02T **हिंदी की गद्य विधाएं : पाठ एवं विश्लेषण** (04 **क्रेडिट, अंक** – 50, 60 **क्लास**)

इकाई 1 –

रामवृक्ष बेनीपुरी – माटी की मूरतें
महादेवी वर्मा – ठकुरी बाबा शिवरानी देवी – प्रेमचंद घर में
शिवरानी देवी – प्रेमचंद घर में

इकाई 2 –

विष्णु प्रभाकर – आवारा मसीहा
हरिवंशराय बच्चन – क्या भूलूँ क्या याद करूँ
दिनकर – संस्कृति के चार अध्याय

इकाई 3 –

राहुल सांकृत्यायन – मेरी तिब्बत यात्रा
हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव
मुक्तिबोध – एक साहित्यिक की डायरी

इकाई 4 –

अज्ञेय – अरे यायावर रहेगा याद
मन्नू भंडारी – एक कहानी यह भी
तुलसीराम – मुर्दहिया

(उपर्युक्त कृतियों के चयनित अंश कक्षा में पढाए जायेंगे लेकिन विद्यार्थी को पूरी रचना पढ़कर उत्तर लिखने होंगे)

सहायक ग्रन्थ

1. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. हिंदी का गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
3. हिंदी गद्य साहित्य - शिवदान सिंह चौहान
4. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास और विश्लेषण - विजयमोहन सिंह
5. बीसवीं सदी का हिंदी साहित्य -(सं.) डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. हिंदी उपन्यास पर पाश्चात्य प्रभाव - भारतभूषण अग्रवाल
7. हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद - त्रिभुवन सिंह
8. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - इन्द्रनाथ मदान
9. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
10. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
11. एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेंद्र
12. हिंदी निबंध का विकास - ओमकारनाथ शर्मा

13. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश
14. कहानी : नयी कहानी - नामवर सिंह
15. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
16. हिंदी आलोचना का विकास - मधुरेश
17. हिंदी आत्मकथा : स्वरुप एवं साहित्य - डॉ. कमलेश सिंह
18. हिंदी रेखाचित्र : उद्भव और विकास - कृपाशंकर सिंह
19. यात्रा साहित्य का उद्भव और विकास - डॉ. सुरेन्द्र माथुर
20. छायावादोत्तर हिंदी गद्य साहित्य - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

HINPCOR18M– **प्रोजेक्ट सबमिशन प्रोजेक्ट प्रेजेंटेशन (सेमिनार)** *(08* **क्रेडिट, अंक** *– 100)*

विभाग द्वारा प्रत्येक विद्यार्थी को अलग- अलग परियोजना कार्य हेतु विषय प्रदान किया जाएगा जिस पर कम-से-कम 4000 शब्दों में लेखन करना होगा.

बाह्य परीक्षक द्वारा इस पत्र का मूल्यांकन होगा.